

प्रेषक,
जे. पी. जोशी
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,
पुलिस महानिदेशक,
उत्तराखण्ड, देहरादून

गृह अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक:- 20 जनवरी, 2011

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-2011 में विभिन्न अधिष्ठानों के मानक मदों में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पुलिस मुख्यालय के पत्र संख्या-डीजी-छ:-22/2010(40) दिनांक 21 दिसम्बर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पुलिस विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न अधिष्ठानों के आवश्यक व्ययों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-2011 में आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न परिशिष्ट के अनुसार लेखाशीर्षक/मानक मदवार कुल ₹ 376.20 लाख(रुपये तीन करोड़ छिहत्तर लाख बीस हजार मात्र) आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- आंवटित बजट की सीमान्तर्गत रहते हुए किसी भी दशा में न तो अधिक व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।

3- बहुधा यह देखा गया है कि धनराशि विभागाध्यक्ष के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी आहरण-वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः यह सुनिश्चित किया जाय कि विभागाध्यक्ष के निस्तारण पर जो धनराशि रखी गई है वह आहरण-वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय ताकि विभाग की विभिन्न इकाईयों के स्तर पर बजट उपलब्ध न होने जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। विभागाध्यक्षों द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण संकलित कर निर्धारित प्रपत्र बी.एम.-17 पर शासन/वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

4- धनराशि व्यय करते समय वित्तीय नियमों, वित्त हस्त पुस्तिका, बजट मैनुवल एवं उत्तराखण्ड अभिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों तथा मितव्ययता सम्बन्धित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

5- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या:-671/NP/xxvii(5)/2010 दिनांक 14 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(जे. पी. जोशी)
संयुक्त सचिव

संख्या एवं दिनांक तदैव:-

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं तदनुसार अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़ देहरादून।
2. निदेशक कोषागार, 25 लक्ष्मी रोड़ देहरादून।
3. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र(एन.आई.सी.) सचिवालय परिसर देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-5
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या:-97/XX(1)/10-01ब./10 दिनांक 20 जनवरी, 2011 परिशिष्ट
मुख्य लेखाशीर्षक:- 2055 पुलिस

अनुदान संख्या:-10

क्र.सं	लेखाशीर्षक	मानक मद	धनराशि रुपये हजार में	
			आयोजनागत	आयाजेनत्तर
1	2	3	4	5
1	001 निदेशन और प्रशासन 03 मुख्यालय	16 व्यवसायिक सेवा		50
		19 विज्ञापन व्यय		50
		योग:-		100
2	003-शिक्षा और प्रशिक्षण 04-शिक्षा और प्रशिक्षण मुख्य	44 प्रशिक्षण व्यय		10000
		योग:-		10000
3	101 आपराधिक अन्वेषण और सतर्कता 03-अभिसूचना अधिष्ठान	08 कार्यालय व्यय		30
		15 पेट्रोल एवं डीजल		100
		योग:-		130
4	101 आपराधिक अन्वेषण और सतर्कता 04-सुरक्षा व्यवस्था	15 पेट्रोल एवं डीजल		300
		योग:-		300
5	104-विशेष पुलिस 03-राज्य शस्त्र कान्सटेबुलेरी मुख्य	04 यात्रा भत्ता		20000
		11 लेखन सामग्री		50
		योग:-		20050
6	104 विशेष पुलिस 04-इण्डिया रिजर्व वाहिनी की स्थापना	15 पेट्रोल एवं डीजल		140
		योग:-		140
7	109-जिला पुलिस 03-जिला पुलिस (मुख्य)	47 कम्प्यूटर अनुस्क्षण		100
		योग:-		100
8	109-जिला पुलिस 05-मोटर परिवहन अधिष्ठान	15 पेट्रोल एवं डीजल		6000
		योग:-		6000

9	109-जिला पुलिस 07-घुड़सवार पुलिस इकाई	08 कार्यालय व्यय		200
		योग:-		200
10	800 अन्य व्यय 04-अग्नि से संरक्षण एवं नियंत्रण	27 चिकित्सा प्रतिपूर्ति		500
		31 सामग्री सम्पूर्ति		100
		योग:-		600
		महायोग राजस्व:-		37620

(रूपये तीन करोड़ छिहत्तर लाख बीस हजार मात्र)


 (महावीर सिंह चौहान)
 अनु सचिव